बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

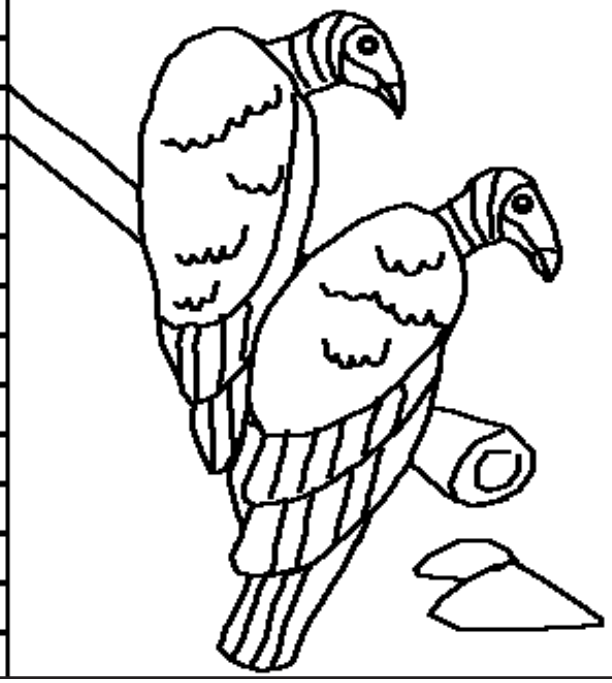

यीशु के लिए एक ख़ौफ़नाक समय

लेखक : Edward Hughes

व्याख्याकार : Byron Unger; Lazarus

अनुवाद : Suresh Kumar Masih

रूपान्तरकार : M. Maillot; Sarah S.

60 कहानियों में से 38 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

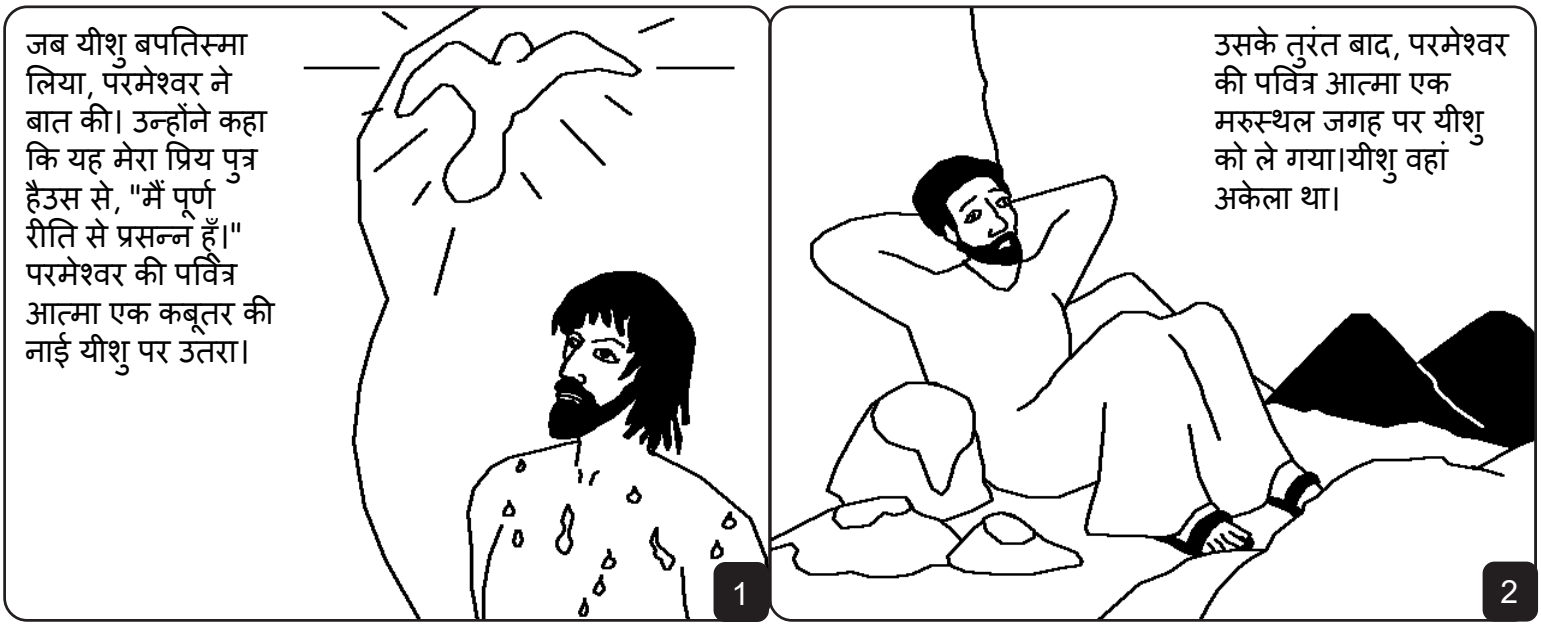

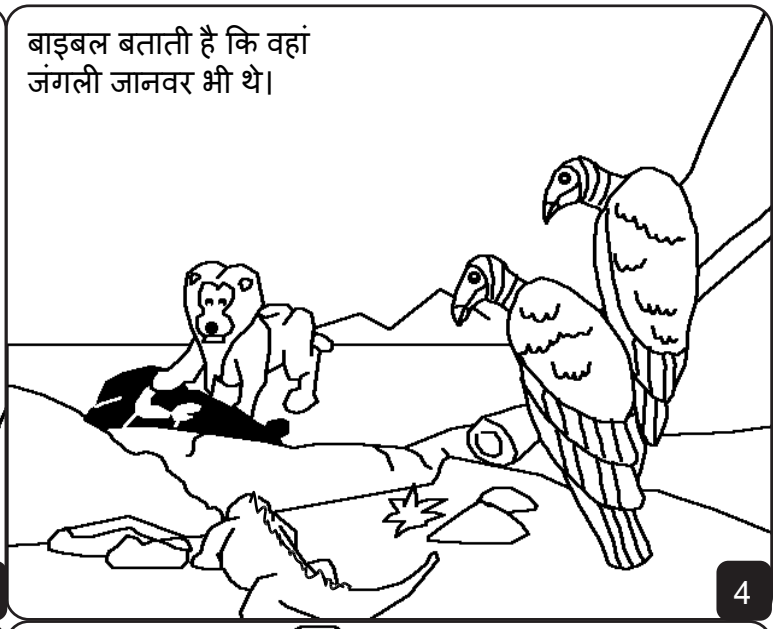

यीशु चालीस दिन तक उपवास किया। इसका मतलब है कि वह किसी भी प्रकार का खाना नहीं खाया। वह बहुत भूखा था।
3
बाइबल बताती है कि वहां जंगली जानवर भी थे।
4
शैतान यीशु की परीक्षा के लिए आया। आदि में वह आदम और हव्वा को अदन की वाटिका में परमेश्वर की आज्ञा न मानने के लिए उकसाया था। अब यीशु की परीक्षण की जानी थी।
5
शैतान परमेश्वर के पुत्र, यीशु की भी परीक्षा लेने की कोशिश की।
6
शैतान ने कहा यदि "तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो इन चट्टानों को रोटी में बदल दो।" उसे पता था कि यीशु भूखा है।
7
वह यह भी जानता था कि परमेश्वर का बेटा पत्थर को रोटी में बदल सकता है। क्या यीशु शैतान की आज्ञा मानता?
8

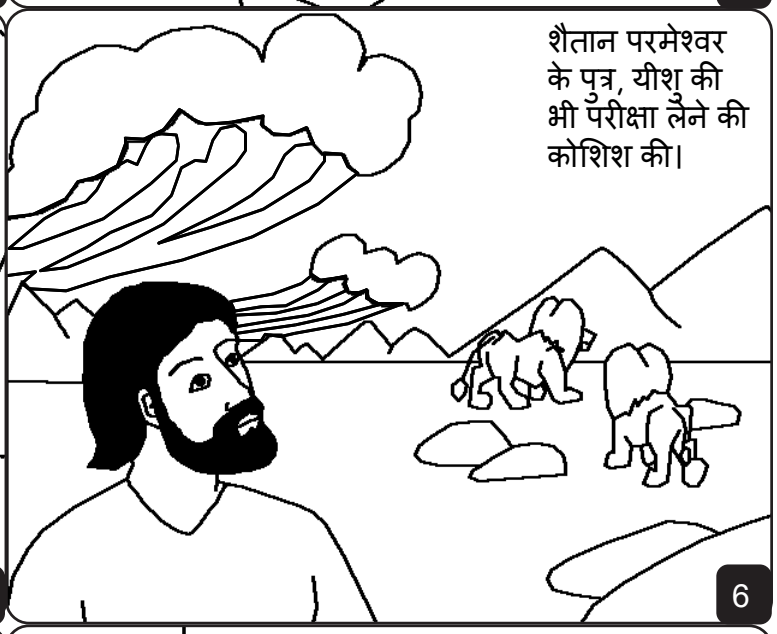

नहीं! यीशु शैतान का आज्ञा पालन नहीं किया।

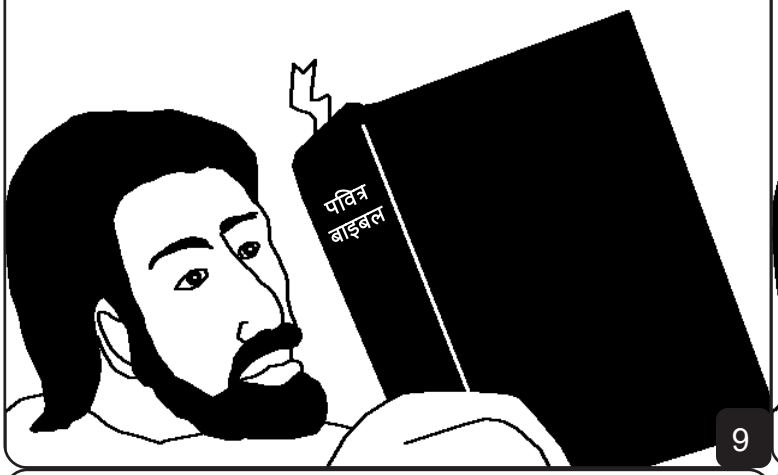

9

इसके बजाय, वह परमेश्वर के वचन से उस ने उत्तर दिया; कि लिखा है कि मनुष्य केवल रोटी ही से नहीं, परन्तु हर एक वचन से जो परमेश्वर के मुख से निकलता है जीवित रहेगा।

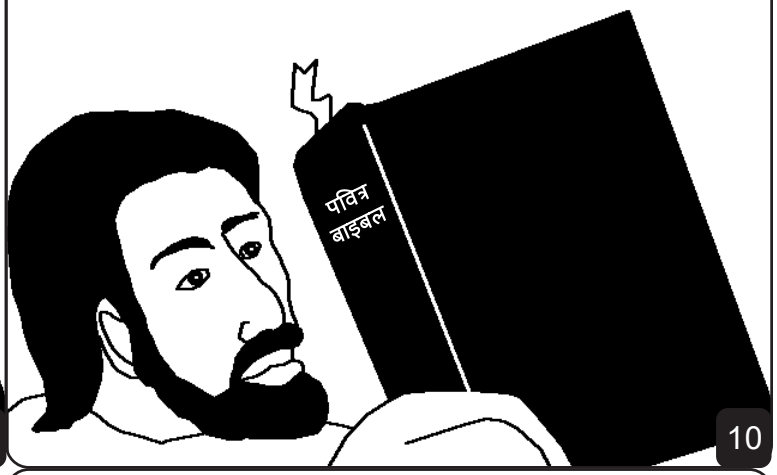

10

फिर शैतान यीशु को जहाँ लोग परमेश्वर की पूजा करते थे,पवित्र मंदिर, यरूशलेम के महान शहर ले गया। शैतान आगे क्या करने वाला था?

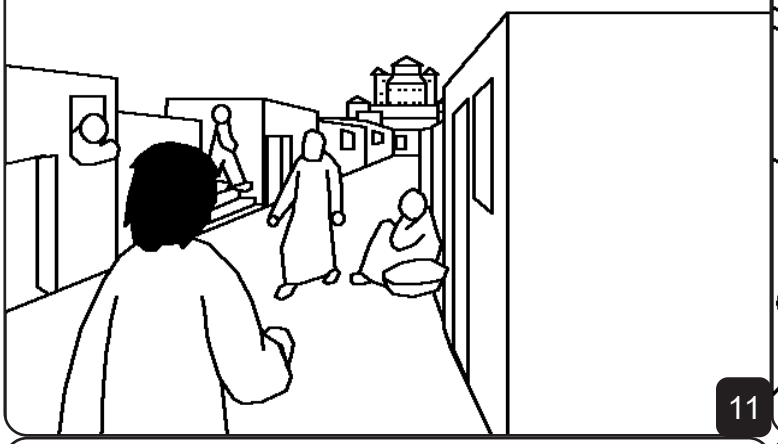

11

शैतान ने कहा, "यदि तुम परमेश्वर के पुत्र हो, तो अपने आप को इस चोटी से नीचे गिरा दो। क्यूंकि उसके वचन के अनुसार उसके स्वर्गदूत तुम्हें बचा लेंगे।"

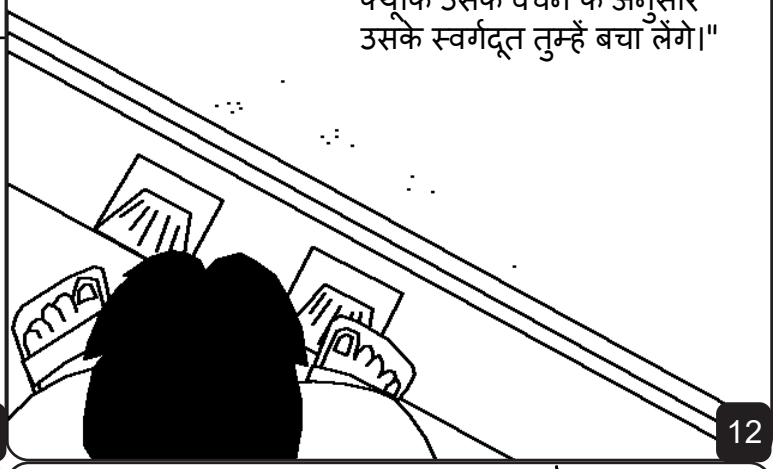

12

"नहीं!" यीशु ने उत्तर दिया। "यह भी लिखा है ... कि तू प्रभु अपने परमेश्वर की परीक्षा न करना।"

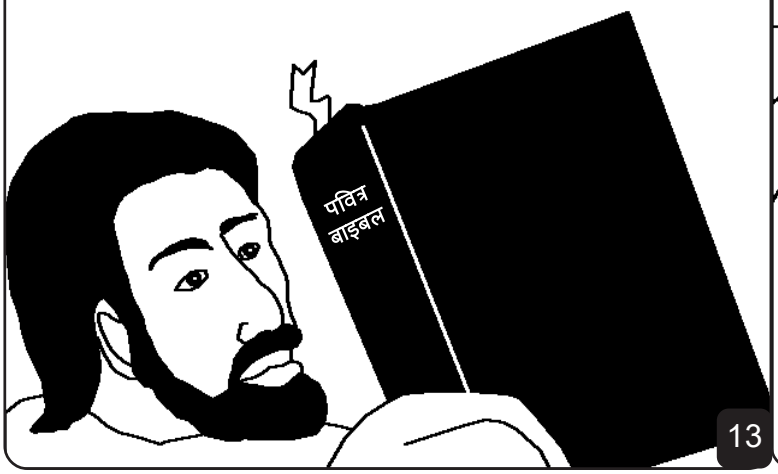

13

शैतान फिर से कोशिश की। वह शहर के बाहर यीशु को एक बहुत ही ऊँचे पर्वत की चोटी पर ले गया।

14

शैतान ने यीशु को सांसारिक राज्य की सभी महिमा को दिखाया, फिर शैतान ने कहा "यदि तुम नीचे झुककर *(गिरकर)* मुझे प्रणाम करे तो मैं तुम्हें यह सब कुछ दे दूंगा।"

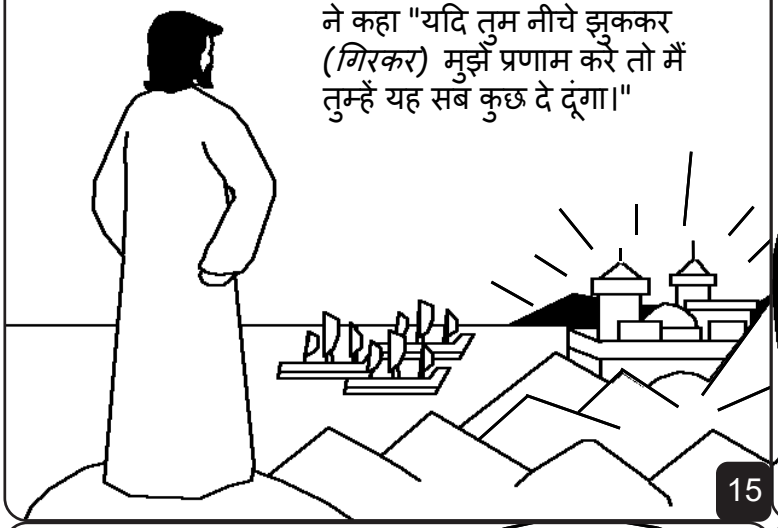

15

तब यीशु ने उस से कहा; हे शैतान दूर हो जा, क्योंकि लिखा है, कि तू प्रभु अपने परमेश्वर को प्रणाम कर, और केवल उसी की उपासना करना।

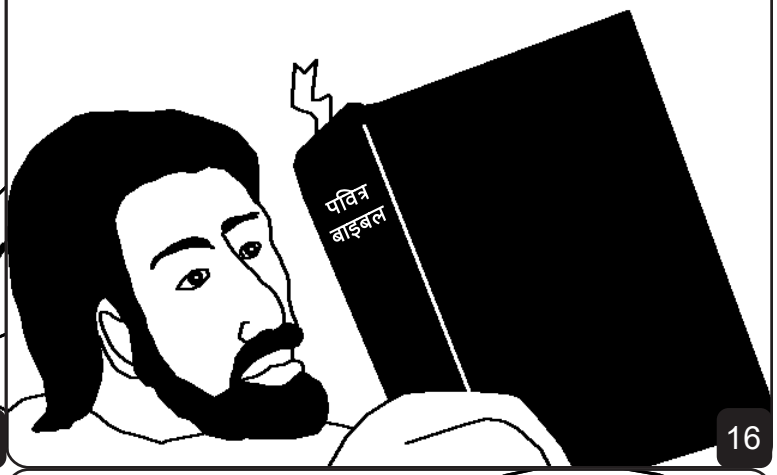

16

शैतान थोड़ी देर के लिए यीशु को छोड़ दिया। फिर कुछ अद्भुत हुआ।

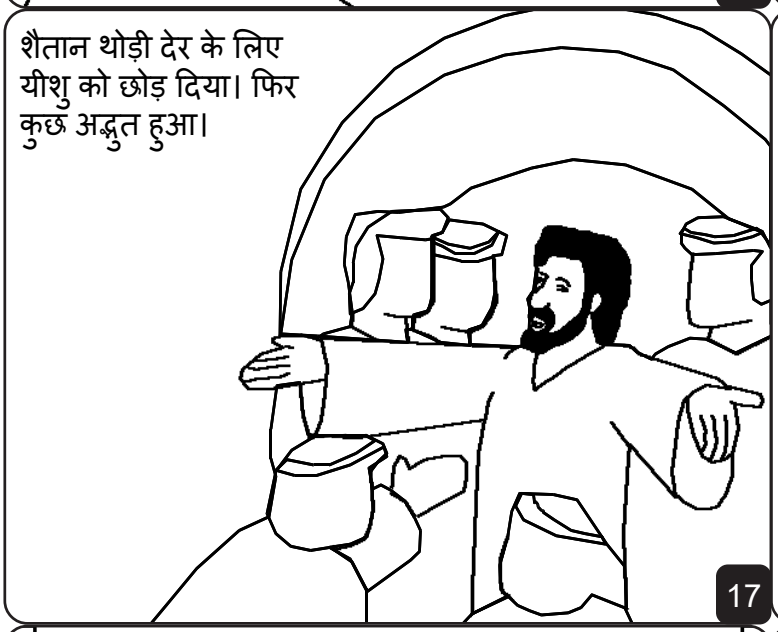

17

परमेश्वर उनके पुत्र यीशु के आराम और देखभाल के लिए स्वर्गदूतों को भेजा ऊँचे वह शैतान की बातों का पालन नहीं किया।

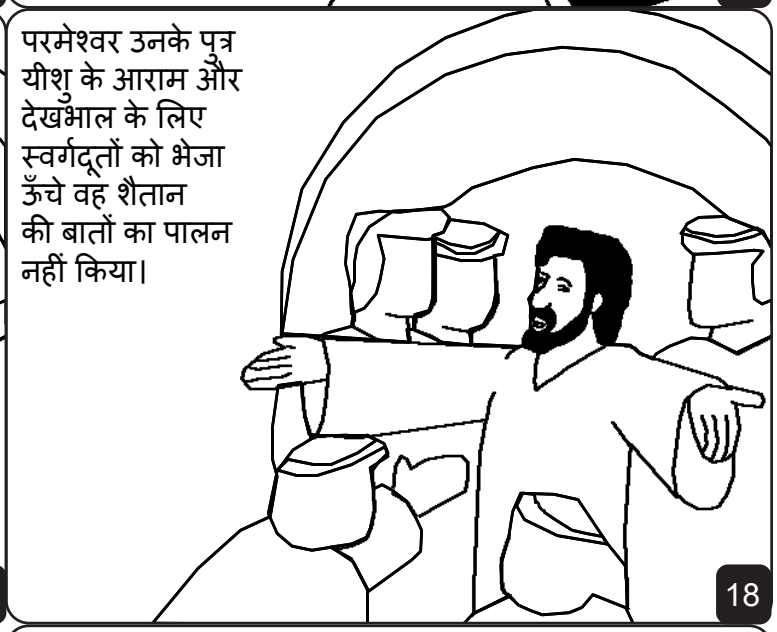

18

यीशु के लिए एक ख़ौफ़नाक समय

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 4, लूका 4

"जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।"
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुनः स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुनः जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.